

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

BSKC-102

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत (बी.ए.एस.के.एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

बी.एस.के.सी.-102 : संस्कृत साहित्य का

आलोचनात्मक विश्लेषण

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : इस प्रश्न-पत्र में चार खण्ड हैं। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक माध्यम में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

खण्ड—क

1. वेदों के प्रतिपाद्य विषय को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

ब्राह्मण ग्रन्थों के प्रतिपाद्य विषय को स्पष्ट करते हुए ब्राह्मण ग्रन्थों के महत्त्व का वर्णन कीजिए।

2. रामायणकालीन समाज व संस्कृति पर लेख लिखिए। 20

अथवा

महाभारतकालीन समाज व संस्कृति पर लेख लिखिए।

खण्ड—ख

3. 'पुराण' शब्द के अर्थ को समझाते हुए पुराण का लक्षण लिखिए। 20

अथवा

पुराणों के महत्त्व पर एक निबन्ध लिखिए।

4. कठोपनिषद् की विषय-वस्तु लिखिए। 10

अथवा

महर्षि वाल्मीकि पर एक निबन्ध लिखिए।

खण्ड—ग

5. चार्वाक दर्शन पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

जैन दर्शन पर प्रकाश डालिए।

6. वैशेषिक दर्शन की पदार्थ-मीमांसा का वर्णन कीजिए। 10

अथवा

दर्शनशास्त्र की जीवन में उपयोगिता का वर्णन कीजिए।

खण्ड—घ

7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर लघु टिप्पणियाँ लिखिए :
5×2=10

(क) पाणिनि

(ख) महर्षि वेदव्यास

(ग) सुन्दरकाण्ड

(घ) वेदाङ्ग

× × × × × × ×